Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

8th Convocation

Newspaper: Amar Ujala **Date: 28-02-2022**

'रोजगार चाहने वाला नहीं, देने वाला बनें'

हकेंवि दीक्षांत समारोह : राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय बोले, राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए कड़ी मेहनत करें विद्यार्थी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। देश और समाज को उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। सरकार कौशल विकास और स्टार्टअप के क्षेत्र में रोजगार के लिए बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बनना चाहिए।

यह विचार रविवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने व्यक्त किए। इस मौके पर राज्यपाल ने चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर और स्मारिका का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल के अलावा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव, पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉक चेन, कंप्यूटरिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। राज्यपाल ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। विशिष्ट अतिथि प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतः विषयी और लाइफ लॉन्ग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत सामरोह की स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

छात्रा को स्वर्ण पदक देते राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिलीं उपाधियां

समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों और शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। स्नातक पाठ्यक्रमों के तहत बीटेक के 148 तथा बीवॉक में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। 19 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 14 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

विवि ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश को दृढ़ रखा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि महामारी की विभिन्न चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को दृढ़ रखा। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कुल सचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे, अलग-अलग रही सफलता की कहानी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में रविवार को आयोजित आठवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यार्थियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मेहनत का फल कैसा होता है यह उनके चमकते चेहरों को देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

सफलता का श्रेय गुरुजन और परिवार को दिया

शिक्षकों को दिया सफलता का श्रेय

दरभंगा की साक्षी अग्रवाल ने मास्टर ऑफ बायो टेक्नोलॉजी में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने अपने विचार सांझा करते हुए अपनी इस सफलता का श्रेय शिक्षकों को दिया और कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलकर ही उन्हें यह उपलब्धि प्राप्त हुई। साक्षी ने कहा कि वे शिक्षकों की सदैव ऋणी रहेंगी।

संघर्ष से हुई शुरूआत तो सफलता ने दिया फल

झारखंड की विजया भारती ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने कहा कि शुरुआत भले ही संघर्ष के साथ हुई लेकिन सफलता बेहद फलदायी रही। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया।

साथियों के सहयोग से भेदा लक्ष्य

बिहार के पटना के रोहित राज ने बायो मेडिकल साइंस में स्वर्ण पदक हासिल करने के बाद कहा कि वे विश्वविद्यालय में मिली शिक्षा और साथियों के सहयोग से इस लक्ष्य को भेद पाए। उन्होंने यहां मिले ज्ञान के लिए शिक्षकों को हृदय से आभार जताया।

विवि में मिला बेहतर शैक्षणिक माहौल तो पाई सफलता

भौतिकी की छात्रा खुशबू और आयुषी ने स्वर्ण पदक दिखाते हुए कहा कि उनकी सफलता का सबसे अहम कारण विश्वविद्यालय में मिला शैक्षणिक माहौल रहा। राजस्थान की रहने वाली इन दोनों बेटियों ने अपनी जैसी अन्य छात्राओं को जीवन में परिश्रम के लिए सतत प्रयास करने की सीख दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 28-02-2022**

हकेंवि महेंद्रगढ़ के 8वें दीक्षांत समारोह का आयोजन, राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय रहे मुख्यातिथि

24 को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल व 1045 विद्यार्थियों को दी गई स्नातक और स्नातकोत्तर की उपाधि

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का रविवार आयोजन हुआ। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट-अप के क्षेत्र में रोजगार के लिए सराहनीय कार्य कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की।

दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतः विषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़ में हकेंवि के आठवें दीक्षांत सामरोह की स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल।

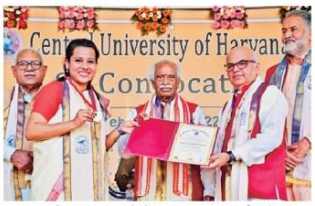

स्वर्ण पदक विजेताओं की सूची

विद्यार्थी का नाम	विभाग का नाम
1 देवाशीष पॉल, विद्या निष्णात	(शिक्षा)
2 निशांत गौड़, प्रौद्योगिकी स्नातक	(निर्माणअभियांत्रिकी)
3 रूपेश कुमार गर्ग, प्रौद्योगिकी स्नातक	(कम्प्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी)
4 मोहम्मद शाहबाज खान, प्रौद्योगिकी स्नातक	(विद्युत अभियांत्रिकी)
5 विजया भारती, प्रौद्योगिकी स्नातक	(मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी)
6 रोहित राज, व्यवसाय स्नातक	(जैव-चिकित्सकीय विज्ञान)
7 कुमारी अपर्णा, व्यवसाय स्नातक	(औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन)
8 ऐश्वर्या जोशी, व्यवसाय स्नातक	(खुदरा एवं रसद प्रबंधन)
9 मोनिका, शिक्षा स्नातक	(बीएड)
10 सूरज गौतम, कला निष्णात	(अर्थशास्त्र)
11 मानशी तंवर, कला निष्णात	(मनोविज्ञान)
12 सुश्री स्निग्धा, दंडपाट	(पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान निष्णात)
13 तनुजा मोहंती, विज्ञान निष्णात	(जैव-रसायनविज्ञान)
14 साक्षी अग्रवाल, विज्ञान निष्णात	(जैव-प्रौद्योगिकी)
15 स्नेहलता, विज्ञान निष्णात	(रसायन विज्ञान)
16 शिवांगी गुसाईं, विज्ञान निष्णात	(पर्यावरण विज्ञान)
17 सैयद इर्तिजा मजीद, विज्ञान निष्णात	(भूगोल)
18 शर्मिला, विज्ञान निष्णात	(गणित)
19 मधु यादव, विज्ञान निष्णात	(सूक्ष्मजीव विज्ञान)
20 दीपिका, विज्ञान निष्णात	(पोषण जीवविज्ञान)
21 आयुषी मिगलानी, विज्ञान निष्णात	(भौतिकी)
22 खुशबू शर्मा, विज्ञान निष्णात	(भौतिकी)
23 सलोनी गोयल, विज्ञान निष्णात	(सांख्यिकी)
24 तेजेंद्र, विज्ञान निष्णात	(योग)

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को उपाधियां

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 148 तथा बीकॉम में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 14 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 28-02-2022**

हकेंवि के दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

स्वर्ण पदक विजेता विद्यार्थियों ने सफलता का श्रेय मेहनत, शिक्षकों और गुरुजनों को दिया

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में रविवार को आयोजित आठवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है यह उनके चमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

साक्षी को बायोटक्नोलॉजी में मिला स्वर्ण

दरभंगा की साक्षी अग्रवाल ने मास्टर ऑफ बायोटेक नोलॉजी में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए अपनी इस सफलता का श्रेय शिक्षकों को दिया और कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलकर ही उन्हें यह उपलब्धि प्राप्त हुई। साक्षी ने कहा कि वे शिक्षकों की सदैव ऋणी रहेंगी।

भौतिकी में खुशबू और आयुषी को स्वर्ण

भौतिकी की छात्राएं खुशबू और आयुषी ने स्वर्ण पदक दिखाते हुए कहा कि उनकी सफलता का सबसे अहम कारण विश्वविद्यालय में मिला शैक्षणिक माहौल रहा। राजस्थान की रहने वाली इन दोनों बेटियों ने अपनी जैसी अन्य छात्राओं को जीवन में परिश्रम के लिए सतत प्रयास करने की सीख दी।

रोहित राज को बायोमेडिकल में मिला स्वर्ण

बिहार के पटना के रोहित राज ने बायोमेडिकल साइंसेज में स्वर्ण पदक हासिल करने के बाद कहा कि वे विश्वविद्यालय में मिली शिक्षा और साथियों के सहयोग से इस लक्ष्य को भेद पाए। उन्होंने यहां मिले ज्ञान के लिए शिक्षकों को हृदय से आभार जताया।

विजया भारती को प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में मिला स्वर्ण

झारखंड की विजया भारती ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने कहा कि शुरुआत भले ही संघर्ष के साथ हुई लेकिन सफलता बेहद फलदायी रही। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया।

'संतुलन-दूत' का हुआ मंचन

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति ने की

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने की।

मुख्यातिथि के रूप में पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों और सम्मानित अतिथियों की मौजूदगी में हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. पंकज कुमार 'सत्यार्थी' द्वारा लिखित एवं निर्देशित काव्य-नाटक 'संतुलन-दूत' का मंचन किया गया। स्त्री-प्रधान नाटक 'संतुलन-दूत' के मुख्य पात्र का अभिनय ईशा सिंह, रजनी ठाकुर, अनमोल रतन तथा अनुज यादव ने किया। प्रस्तुत मंचन में सचिन, नैना, नारायण तथा विश्वविद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं ने अपनी भागीदारी दर्ज की।

सभी कलाकारों ने अपने जीवंत अभिनय से वहां उपस्थित दर्शकों को नाटक के माध्यम से स्त्री विषय पर सोचने को विवश किया। विश्व-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी की स्वीकृति के समर्थन में लिखा गया यह नाटक दर्शकों के भीतर महिला समाज के प्रति जागरूकता पैदा करता है। शोषण के लगभग सभी आयाम पर प्रहार करता यह नाटक अपने मूल में स्त्री-समस्याओं को रेखांकित करते हुए समाज के भीतर चेतना प्रदान करता है जिससे स्त्री-समस्याओं के प्रति गहराई से विचार किया जा सके।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 28-02-2022**

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यावन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन भी अर्पित किए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का

विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अप के क्षेत्र में रोजगार के लिए बहुत खर्च कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लाकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को

बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विवि की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए हृदय से आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विवि की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति ने बताया कि महामारी की विभिन्न चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को दृढ़ रखा। विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विवि आने वाले वर्षों में अपने अनुसंधान एवं नवाचार कार्यों में अग्रणी स्थिति में होगा। दीक्षांत समारोह में विवि की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विवि की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विवि की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह की स्मारिका का विमोचन करते हुए राज्यपाल ● सा संस्था

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक देते हुए राज्यपाल ● साधार संस्था

24 स्वर्ण सहित 1078 विद्यार्थियों को उपाधियां

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 148 तथा बीयाक में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 14 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 28-02-2022**

हकेंवि का आठवां दीक्षांत समारोह

'नौकरी चाहने वाले नहीं देने वाले बनें छात्र'

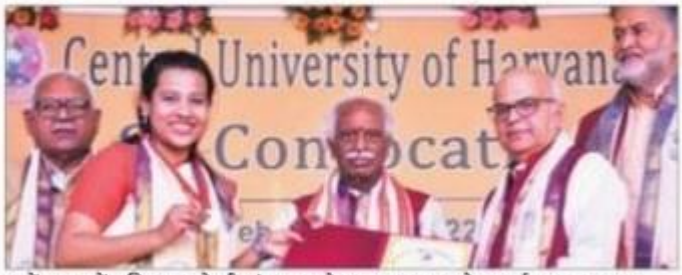

महेंद्रगढ़ में रविवार को दीक्षांत समारोह एक छात्रा को स्वर्ण पदक प्रदान करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय। -निस

महेन्द्रगढ़, 27 फरवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) का आठवां दीक्षांत समारोह रविवार को हुआ। मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह में 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्होंने कहा कि हमें नौकरी चाहने की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर मौजूद थे।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, 28 February 2022 https://epaper.dainiktribu

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 28-02-2022**

केंद्रीय विवि के दीक्षांत समारोह

स्वर्ण पदक विजेताओं को किया सम्मानित

■ राज्यपाल दत्तात्रेय एवं कुलपति टंकेश्वर ने सम्मान बढ़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक से सम्मानित करते राज्यपाल। फोटो : हरिभूमि

केंद्रीय विश्वविद्यालय जांट-पाली के आठवें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने स्वर्ण पदक विजेताओं को भी सम्मानित किया, जिनमें देवाशीष पॉल विद्या निष्णात (शिक्षा), निशांत गौड़ प्रौद्योगिकी स्नातक (निर्माण अभियांत्रिकी), रूपेश गर्ग प्रौद्योगिकी स्नातक (कंप्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी), मोहम्मद शाहबाज खान प्रौद्योगिकी स्नातक (विद्युत अभियांत्रिकी), विजया भारत प्रौद्योगिकी स्नातक (मुद्रण एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी), रोहित राज व्यवसाय स्नातक (जैव-चिकित्सकीय विज्ञान), अपर्णा व्यवसाय स्नातक (औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन), ऐश्वर्या जोशी व्यवसाय स्नातक (खुदरा एवं रसद प्रबंधन), मोनिका शिक्षा स्नातक (बीएड), सूरज गौतम कला निष्णात (अर्थशास्त्र), मानशी तंवर कला निष्णात (मनोविज्ञान), सुश्री स्निग्धा दंडपाट पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान निष्णात, तनुजा मोहंती विज्ञान निष्णात (जैव-रसायन विज्ञान), साक्षी अग्रवाल विज्ञान निष्णात (जैव-प्रौद्योगिकी), स्नेहलता विज्ञान निष्णात (रसायन विज्ञान), शिवांगी गुसाईं विज्ञान निष्णात (पर्यावरण विज्ञान), सैयद इर्तिजा मजीद विज्ञान निष्णात (भूगोल), शर्मिला विज्ञान निष्णात (गणित), मधु यादव विज्ञान निष्णात (सूक्ष्म जीव विज्ञान), दीपिका विज्ञान निष्णात (पोषण जीवविज्ञान), आयुषी मिगलानी विज्ञान निष्णात (भौतिकी), खुशबू शर्मा विज्ञान निष्णात (भौतिकी), सलोनी गोयल विज्ञान निष्णात (सांख्यिकी) एवं तेजेंद्र विज्ञान निष्णात (योग) शामिल हैं।

इन सभी को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय एवं कुलपति टंकेश्वर समेत अन्य अतिथियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 28-02-2022**

शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

- हकेंवि के आठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय
- 24 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विवि में विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय एवं अतिथिगण। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले इन विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। राज्यपाल ने आगे कहा कि हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अपस के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतःविषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा सभी आगंतुकों का स्वागत किया। उन्होंने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति ने बताया कि महामारी की विभिन्न चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को दृढ़ रखा। समारोह में कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेंवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी., एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 148 तथा बीवॉक में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 14 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Jagat Kranti **Date: 28-02-2022**

आह्वान | **हकेंवि के 8वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने पहुंचे राज्यपाल दत्तात्रेय**

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

जगत क्रान्ति ⏭ ईश्वर तिवारी

महेन्द्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस

दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अपस के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है।

उन्होंने कहा कि हमें नौकरी चाहने की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। हकेंवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियाँ व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Jagmarg **Date: 28-02-2022**

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

➪ 24 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 19 को पीएचडी, 14 को एमफिल और 1045 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

जगमार्ग न्यूज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार 27 फरवरी को हुआ।

इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल माननीय बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. के के अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल माननीय बंडारू दत्तात्रेय ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अपस के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 28-02-2022**

हकेंवि का 8वां दीक्षांत समारोह

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें: राज्यपाल

महेंद्रगढ़, 27 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के 8वें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. के.के. अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लैटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया। मुख्यातिथि ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। सरकार कौशल विकास व स्टार्ट अप के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है।

हकेंवि के 8वें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान करते राज्यपाल, (दाएं) सामरोह की स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल व अन्य।

विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में अनुसंधान एवं नवाचार कार्यों में अग्रणी स्थिति में होगा: प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए हृदय से आभार प्रकट किया। कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही कुलपति ने उनके माता-पिता व शिक्षकों की भी सराहना की, जिन्होंने विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद की। विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में अपने अनुसंधान एवं नवाचार कार्यों में अग्रणी स्थिति में होगा। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेंवि के 8वें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टैक में 148 तथा बी.वॉक में 72 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 14 को एम.फिल की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. के.के. अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंत:विषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 28-02-2022**

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : राज्यपाल

○ हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. के.के. अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व

स्मारिका का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्टअप्स के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र

24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 148 तथा बी.वॉक. में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 14 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. के.के. अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतःविषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए हृदय से आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही कुलपति ने उनके माता-पिता व शिक्षकों की भी सराहना की, जिन्होंने विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति ने बताया कि महामारी की विभिन्न चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को दृढ़ रखा। विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में अपने अनुसंधान एवं नवाचार कार्यों में अग्रणी स्थिति में होगा। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Sahara **Date: 28-02-2022**

रोजगार चाहने वाले नहीं देने वाले बनें : दत्तात्रेय

नारनौल/महेंद्रगढ़ (एसएनबी)। राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र में योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्टअप के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। यह उद्गार रविवार को राज्यपाल ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह के आयोजन अवसर पर व्यक्त किए।

कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। दीक्षांत समारोह की शुरुआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विवि का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने पीएम मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कई विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक समेत अन्य को मिली उपाधि

का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है।

प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतःविषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विवि की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए हृदय से आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर 24 स्वर्ण पदक सहित 1078 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां।